Simultaneously published from **Gorakhpur**, Agra
Allahabad, Bareilly, Dehradun, Jamshedpur, Kanpur, Lucknow, Meerut, Patna, Ranchi and Varanasi

www.inextlive.com

i next
हर दिन एक नई शुरुआत

Thursday , 30 August 2012
Pages : 20, Price : ₹ 1.00

PIC : I NEXT

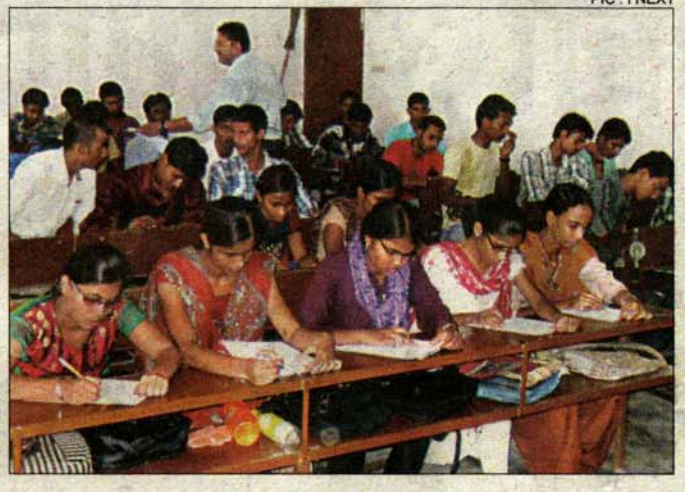

यहां Topper ही बनेगा leader

डीडीयू के छात्रनेताओं की गुंडागर्दी की खबरों के बीच सिटी के एक कॉलेज में एक अनोखा छात्रसंघ चुनाव हो रहा है. यहां कैंडिडेट का सेलेक्शन एग्जाम के जरिए हुआ...

-See pg 5

From page 1

A role model election in MPPG

- MPPG college में रिटेन एग्जाम से तय होता है कैंडिडेट
- नामांकन के साथ ही हो गया इलेक्शन का आगाज

Syed Saim Rauf

GORAKHPUR (29 Aug): डीडीयू यनिवर्सिटी से एफिलिएटेड कॉलेज महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वेंस्डे को स्टूडेंट यूनियन इलेक्शन का आगाज हो गया. नामांकन के साथ ही इलेक्शन की अन्य प्रक्रिया शुरू हो गई. बता दें कि डीडीयू से एफिलिएटेड यह इकलौता कॉलेज है जहां कॉलेज ने कैंडिडेचर के लिए अनोखा क्राइटेरिया तय किया है. देश के विश्वविद्यालयों में लिंगदोह कमेटी की रिक्मेंडेशंस के मुताबिक चुनाव होंगे, लेकिन एमपीपीजी कॉलेज ने उससे भी कहीं आगे का ऐसा रोल मॉडल पेश कर दिया है, जिससे बाकी भी सबक ले सकते हैं. इस कॉलेज के जिस स्टूडेंट में टैलेंट होता है वही स्टूडेंट लीडर की कुर्सी पर बैठता है. नेतृत्व की क्षमता परखने के साथ ही कैंडिडेट में नॉलेज का लेवल हाई होना भी यहां उतना ही जरूरी है. कॉलेज में चुनाव 31 को होने हैं. वेंस्डे को वहां कैंडिडेचर के लिए रिटेन टेस्ट कंडक्ट कराए गए, जिसमें गर्ल्स और ब्वॉयज दोनों ने पार्टिसिपेट किया.

कई step में होते हैं election

कॉलेज में इलेक्शन की बात करें तो यहां के इलेक्शन को क्वालिफाई करने के लिए स्टूडेंट्स को कई स्टेप से गुजरना पड़ता है. इसमें सबसे पहले स्टूडेंट्स को कक्षा प्रतिनिधि की परीक्षा पास करनी होती है, जिसके बाद ही वह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री के लिए नामांकन कर सकता है. इस एग्जाम को क्वालिफाई करने के बाद स्टूडेंट्स अगले दौर में पहुंचता है, जहां उसे क्वालिफाइंग स्पीच एग्जाम से गुजरना पड़ता है. स्पीच को देने के लिए उसे 10 मिनट का समय दिया जाता है. इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन होते हैं.

64 प्रतिनिधि चुने जाते हैं

इस कॉलेज में सब्जेक्ट्स और सेक्शन के अकार्डिंग प्रतिनिधियों का चुनाव होता है. यानी ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल पर जितने क्लासेज और सेक्शन होंगे उतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. इस हिसाब से कॉलेज में कुल मिलाकर 64 क्लासेज और उनके सेक्शन हैं, इसलिए इससे इतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. इन सभी सफल कैंडिडेट्स में जिन कैंडिडेट्स को इंटरेस्ट होगा, वह आगे की प्रक्रिया के लिए नामांकन करेंगे.

for more alerts
www.inextlive.com/gorakhpur/local

Last year से मिला मौका

एमपीपीजी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि यह दूसरा मौका है जब कॉलेज के स्टूडेंट्स अपने प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे. इससे पहले कॉलेज में अलग रूल्स थे. 2006 से ही कॉलेज में स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन कॉलेज के अकॉर्डिंग हो रहे हैं. इसमें सबसे पहले कॉम्प्टीशन के माध्यम से इलेक्शन होते थे. कॉलेज में जिसको सबसे ज्यादा मार्क्स आता था वह ही छात्रसंघ का अध्यक्ष चुना जाता था. लेकिन बाद में हुई आम सभा की बैठक में इसे थोड़ा मॉडिफाई किया गया और हर क्लासेज से प्रतिनिधि चुने जाने लगे. यही प्रतिनिधि छात्रसंघ के चुनाव में वोट डालने के अधिकारी थे. लेकिन 2010 में हुई आम सभा की बैठक में इसे और मॉडिफाई कर दिया गया और इसमें स्टूडेंट्स को भी वोट डालने का मौका दिया गया. इसमें सिर्फ नामांकन करने वालों के लिए कुछ शर्तें रख दी गईं.

आम सभा की बैठक में फैसला

चुनाव प्रक्रिया समेत कई ऐसे फैसले हैं जो आम सभा करती है. आम सभा कॉलेज द्वारा बनाई गई कोई कमेटी नहीं है. बल्कि इसकी कार्यकारिणी में स्टूडेंट्स यूनियन के तीनों पदाधिकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री समेत कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रॉक्टर और डीएसडब्लू मेंबर होते हैं. यह सभी फैसले इन सभी की प्रेजेंस में होता है. यह बैठक सभी की मौजूदगी में होती है.

मिलती है टीचर्स जैसी सुविधा

ऐसा नहीं है कि इनती सख्ती से छात्रसंघ चुनाव होने की वजह से यहां के स्टूडेंट्स कतराते हैं. बल्कि इसके लिए दावेदारी और भी बढ़ जाती है वह इसलिए कि छात्रसंघ पदाधिकारियों को कॉलेज की लाइब्रेरी में टीचर्स के बराबर सुविधा दी जाती है. इसके तहत वह जब भी चाहे लाइब्रेरी से टीचर्स की तरह एंट्री करके बुक्स ले जा सकते हैं और किसी को पढ़ने के लिए दे सकते हैं. इसके लिए उन्हें सिर्फ कॉलेज की रिकार्ड बुक में एंट्री करनी होगी.

हैं कई फायदे

स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन जीतने का सबसे बड़ा फायदा स्टूडेंट्स को यह मिलता है कि उन्हें कॉलेज की कमेटियों में भी भागीदारी दी जाती है. यही नहीं वह हर कमेटी के फैसले में अपना सुझाव भी देते हैं और उनके सुझावों को माना भी जाता है. इनमें क्रीड़ा समिति, पुस्तकालय, सूचना और परामर्श समिति, प्रार्थना और स्वच्छता समिति, बागबानी समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, प्रयोगशाला समिति छात्र नियंता मंडल, प्रवेश परामर्श समिति और छात्रसंघ समिति शामिल है.

PICS: I NEXT

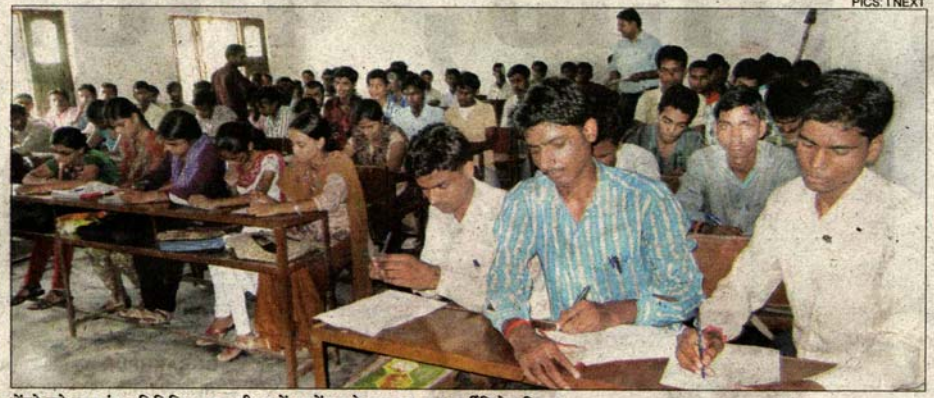

वेंस्डे को छात्रसंघ प्रतिनिधि चयन परीक्षा में स्टूडेंट्स ने बढ़चढ़ कर पार्टीसिपेट किया.

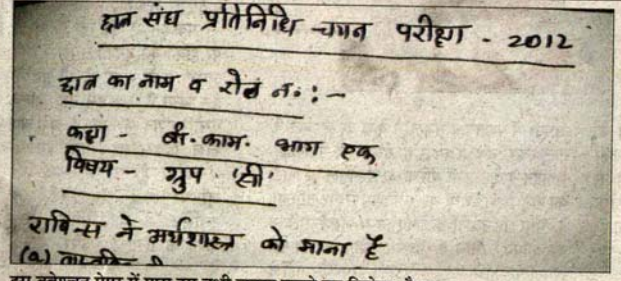

इस क्वेश्चन पेपर में पास हुए तभी चुनाव लड़ने का मिलेगा मौका.

17 ने file किया nomination

GORAKHPUR (29 Aug): महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में वेंस्डे मार्निंग कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव एग्जाम के माध्यम से सम्पन्न हुए. इसमें सभी क्लासेज और सेक्शंस से 57 स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की. इन सफल स्टूडेंट्स में 17 कैंडिडेट्स ने छात्रसंघ पदाधिकारियों के लिए नामांकन किया. इसमें अध्यक्ष के लिए 5, उपाध्यक्ष के लिए 6 और महामंत्री के लिए 6 कैंडिडेंट्स ने पर्चे भरे.

इन्होंने किया nomination

अध्यक्ष पद के लिए एमएससी पार्ट वन की आराधना दीक्षित, बीए पार्ट थ्री के सुजीत कुमार सिंह, एमए पार्ट वन की निशा निषाद, बीकॉम पार्ट थ्री के जयहिंद यादव और बीएससी पार्ट टू के आदित्य कुमार ने पर्चा दाखिल किया. उपाध्यक्ष में देवाशीष शुक्ला, संजय विश्वकर्मा, अनिल कुमार, श्रीभावती, मनु कुमार और राहुल कुमार ने पर्चे भरे. वहीं महामंत्री के लिए पूजा गुप्ता, अमिताभ, हरिद्वार प्रजापति, सिद्धार्थ कुमार, ओमकार सिंह और शंकर निषाद ने नामांकन किया. यह जानकारी चुनाव अधिकारी शिव कुमार बर्नवाल ने दी. उन्होंने बताया कि सभी सेलेक्ट हुए कैंडिडेंट्स सुबह 9 बजे से 11 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, इसके बाद दोपहर 11 से 11.30 तक पर्चों की जांच होगी और एक बजे से क्वालिफाइंग स्पीच होगी. चुनाव 31 अगस्त को सुबह 9 बजे से होंगे.